श्याम तेरी मुरली ने पागल कर दिया

*श्याम, तेरी मुरली ने, पागल कर दिया ॥,
चला नहीं जाए मोहन, घायल कर दिया ॥

*धक्क धक्क करके दिल, श्याम मेरा डोले है,
जानती हूँ बंसी तेरी, राधा राधा बोले है ॥
बेकरार मोहन मेरा, दिल कर दिया ॥,
चला नहीं जाए मोहन, घायल कर दिया,,,
श्याम, तेरी मुरली ने,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

*तूँ क्या जाने मोहन लागी, दिल वाली चोट को,
देखता नहीं तूँ अपनी, बंसी की ख़ोट को ॥
कसम से जीना मुश्किल, मेरा कर दिया ॥,
चला नहीं जाए मोहन, घायल कर दिया,,,
श्याम, तेरी मुरली ने,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

*बंसी की जगह अपने, होठों से लगा लो तुम,
अरमान है दिल का, दुल्हन बना लो तुम ॥
प्रेम ने हारा यह, कमल कर दिया ॥,
चला नहीं जाए मोहन, घायल कर दिया,,,
श्याम, तेरी मुरली ने,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28407/title/shyam-teri-murli-ne-pagal-kar-diya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |